ज्ञानयज्ञ की लाल मशाल लेकर हम चल पड़े हैं गाँवों की ओर

गोंदिया (महाराष्ट्र)

गोंदिया जिले के परिजनों ने अपने विद्या विस्तार के संकल्पित अभियान को शानदार गति दी। उन्होंने २३ नवम्बर से ३१ दिसम्बर तक मात्र सवा महीने में ग्रामीण स्तर के कुल ४३ कार्यक्रम सम्पन्न कराये। सभी कार्यक्रमों का संचालन बालाघाट जिले की टोलियों ने किया। दूसरी ओर गायत्री शक्तिपीठ गोंदिया से जुड़ी बहिनों ने नगर के १२ वार्डों में यज्ञ संचालन करते हुए परम पूज्य गुरुदेव का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। इन कार्यक्रमों में पुंसवन, जन्मदिन, नामकरण, मुण्डन, विद्यारंभ, विवाह, दीक्षा सहित ५०० संस्कार सम्पन्न हुए।

भैंसदेही, बैतूल (मध्य प्रदेश)

भैंसदेही विकास खण्ड के परिजनों ने अपने वि.खं. में १३ जनवरी तक की मात्र एक माह की सक्रियता में १२ स्थानों पर ९ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न कराये। समाचार प्रेषक श्री डी.सी. साहू के अनुसार यज्ञों में परम पूज्य गुरुदेव के साहित्य के प्रति लोगों का भरपूर ध्यानाकर्षण किया गया और गायत्री उपासना के साथ नियमित स्वाध्याय की प्रेरणा दी गयी। क्रमश: साँवलमेढ़ा, धाबा, ठेकगाँव, धामगाँव, केरबानी, झल्लार, आमला, खामला, पोहर, कोयलारी, बरतापुर, बाँसनेरकला में सम्पन्न इन यज्ञायोजनों ने समाज के हर वर्ग को आकर्षित किया।

मौदहा, हमीरपुर (उत्तर प्रदेश)

गायत्री शक्तिपीठ मौदहा ने अपने विद्या विस्तार आयोजनों की शृंखला के अंतर्गत अरतरा, पाटनपुर, रोहारी, ग्योडी, खण्डेह, तिन्दुही एवं रीवन गाँवों का मंथन किया। श्री कृष्ण कुमार व्यास के अनुसार इन गाँवों में पंच कुण्डीय गायत्री यज्ञ के साथ ग्राम संगोष्ठी में सप्त आंदोलनों की सक्रियता एवं दीवार लेखन का कार्य भी हुआ। यज्ञ में लोगों को नाना प्रकार के व्यसन-कुरीतियाँ छोड़ने के संकल्प दिलाये गये।

एक यज्ञीय अयोजन यमुना वेतवा के संगम पर सम्पन्न हुआ, जिसमें एन.सी.सी. केडेटों ने भी भागीदारी की। जंगल और बीहड़ क्षेत्र होते हुए भी दर्जनों गाँव के ग्रामीणों ने इस यज्ञ में भाग लिया। पंद्रह पारियाँ सम्पन्न हुईं, लोगों ने व्यसन मुक्ति के संकल्प लिए।

कोटा (राजस्थान)

गायत्री परिवार शाखा कोटा जंक्शन द्वारा विद्या विस्तार यज्ञ शृंखला के अंतर्गत जनवरी माह तक ४ स्थानों पर क्रमश: ग्राम चन्द्रेसल, रेल्वे वर्कशॉप कॉलोनी कोटा, रंगेश्वर महादेव रंगपुर रोड़ कोटा एवं न्यू गोपाल विहार पुलिस लाइन कोटा पर पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के कार्यक्रम प्रेरणापूर्वक सम्पन्न कराये गये। इन कार्यक्रमों में सामूहिक अखण्ड जप, कलश यात्रा, दीप महायज्ञ, पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, संस्कार, प्रज्ञा पुराण कथा के कार्यक्रम रखे गये। कार्यक्रमों में ८२ दीक्षा संस्कार एवं नामकरण, पुंसवन, जन्मदिन आदि संस्कार भी सम्पन्न हुए। कार्यक्रमों का संयोजन शाखा प्रभारी श्री महेश मित्तल एवं साथियों ने किया।

एटा (उत्तर प्रदेश)

विद्याविस्तार वर्ष के कार्यक्रमों की शृंखला का एक पाँच कुण्डीय यज्ञ समारोह सैलई (कासगंज) में आयोजित हुआ। गायत्री शक्तिपीठ आँवलखेड़ा से आयी श्री जसवीर सिंह की टोली ने इस कार्यक्रम का संचालन किया। यज्ञ ने जनसामान्य से लेकर न्यायाधीश, वकील, शिक्षाधिकारी जैसे प्रबुद्धजनों की आस्था को भी परिष्कृत किया। अनेक प्रबुद्ध जनों ने दीक्षा लेकर उपासना, साधना, आराधना को जीवन का अभिन्न अंग बनाने के संकल्प लिए। उच्च शिक्षा सेवा आयोग इलाहाबाद के सदस्य डॉ. नीरज किशोर मिश्र भी उन दीक्षा लेने वालों में से हैं, जिन्होंने समर्पित स्वयंसेवक की हैसियत से विचार क्रांति के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

किउल जंक्शन, लखीसराय, (बिहार)

शक्तिपीठ किउल जं. ने अपने विद्याविस्तार के संकल्पित अभियान के अंतर्गत पाँच कुण्डीय यज्ञ के प्रथम चार समारोह सम्पन्न कराते हुए ४८ स्थानों पर विद्याविस्तार साहित्य सेटों की स्थापना करायी। उल्लेखनीय है कि इसके निमित्त अपनायी गयी सक्रियता ने भा.सं.ज्ञा. परीक्षा की लोकप्रियता बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। जहाँ पिछले वर्ष इस परीक्षा में १२०० बच्चे सम्मिलित हुए, वहीं इस वर्ष ६७०० से अधिक बच्चों ने भाग लिया। ग्राम लोदिया, कार्यानन्द नगर (पश्चिम), सलेमपुर तथा सलौनाचक में ये विद्याविस्तार महोत्सव सम्पन्न हुए। इनमें १२१ लोगों ने दीक्षा लेकर गायत्री उपासना के संकल्प लिए। ☯

तुम्हारा दिया जीवन तुम्हीं को समर्पित है गुरुवर!

अमरावती (महाराष्ट्र)

श्री जगन्नाथ उभाड़कर की आत्मभिव्यक्ति

२ नवम्बर को छिन्दवाड़ा में आयोजित युवा चेतना शिविर समाप्त हुआ। हम ९ व्यक्ति सायं ४ बजे अपनी टाटा सुमो से अपने गन्तव्य गायत्री शक्तिपीठ गोरखेड़ा के लिए रवाना हुए। अभी १० किलो मीटर ही चले थे कि एक दुर्घटना हो गयी। हमारी गाड़ी दो-तीन बार पलटती हुई सड़क के १५-२० फीट नीचे जा गिरी। दुर्घटना की इस घड़ी में परम पूज्य गुरुदेव हमें साक्षात सामने खड़े और हमारी रक्षा करते दिखाई दिये। दुर्घटना बहुत बड़ी थी, लेकिन हम सब बाल-बाल बच गये।

शिविर से विदाई की वेला में हमें श्रद्धेय डॉ. साहब ने पाथेय दिया था परम पूज्य गुरुदेव-परम वंदनीया माताजी के स्नेह का, उनके दिव्य संरक्षण का। वही हमारे काम आया। पूज्यवर ने अहसास करा दिया कि वे हमारे साथ हैं और कितना ध्यान रखते हैं। हमारा जीवन अब उनका ही प्रसाद है, उनकी शक्ति, प्रेरणा, कृपा सब हमारे साथ है। यह अनुभूति होने के बाद पूज्यवर के कार्य को पूरा करने के लिए हम अपना जीवन समर्पित कर दें, इसी में जीवन की सार्थकता है। जो गुरुसत्ता जीवन दान दे सकती है, कार्य की सफलता भी वही सुनिश्चित करेगी। हमारा दायित्व तो बस तन-मन-धन से गुरुकार्य में सक्रिय रहना है।

जगन्नाथ उभाड़कर,
स्नेहगंधा कॉलोनी, सातुर्णा रोड़,
अमरावती (महाराष्ट्र)

वनवासी अंचल का सफल अभियान

खण्डवा (मध्य प्रदेश)

मध्य प्रदेश के खण्डवा जिले के दूरस्थ आदिवासी अंचल खालवा-हरसूद क्षेत्र में आठ-स्थानों पर पंच कुण्डीय यज्ञों का आयोजन हुआ। रायपुर और देवली खुर्द के विद्या विस्तार पंच कुण्डीय यज्ञ आयोजनों में मध्य प्रदेश के वन एवं आदिम जाति कल्याण मंत्री कुंवर विजय

म.प्र. के वन एवं आदिम जाति कल्याण मंत्री कुंवर विजय शाह देवपूजन करते हुए

शाह ने भी भाग लिया। भावविभोर होकर उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्र में गायत्री परिवार द्वारा जलाया गया यह ज्ञानदीप जन-जन में नवचेतना लाएगा और इसकी रोशनी दूर से ही दिखाई देगी। आदिवासियों से बुराईयाँ छोड़कर अच्छाइयाँ ग्रहण करने की अपील करते हुए उन्होंने ऐसे आयोजनों को अभूतपूर्व सराहनीय कदम बताया।

सुकवी, नया हरसूद, उदियापुर, देवलीखुर्द, पलानीमाल, दिदम्दा, रायपुर, सोनखेड़ी में विद्या-विस्तार पंच कुण्डीय यज्ञ आयोजन हुए। सभी स्थानों पर क्रांतिधर्मी साहित्य की स्थापना की गई। गुरुदीक्षा, पुंसवन व विद्यारंभ संस्कार भी संपन्न हुए। अनेकों आदिवासियों ने मांस, मदिरा, तंबाकू जैसे व्यसन छोड़ने के संकल्प लिए। **दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र दिदम्दा में विश्राम नामक आदिवासी ने भावविभोर होकर अपने ४० सदस्यीय परिवार की कहानी सुनाई और दो वर्षों में गायत्री परिवार से जुड़कर अपनी खुशहाली व सम्पन्नता के बारे में बताया, जिससे आसपास के १० गाँवों के लोग अत्यंत प्रभावित हुए।**

गायत्री शक्तिपीठ खण्डवा की टोली में प्रमोद मालवीय, संतोष खेड़ेकर, वासुदेव प्रसाद लाड़ ने यह कार्यक्रम सम्पन्न कराए। ☯

२४ देव परिवार की अनोखी योजना, शानदार सफलता

टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश)

टीकमगढ़ की सुभाष नगर कॉलोनी में १४ से १६ दिसम्बर की तारीखों में पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ। आयोजकों ने यज्ञ के व्यापक लाभ के साथ २४ परिवारों में साधना-संस्कार संवर्धन का अनोखा क्रम जोड़ा और आश्चर्य जनक सफलतायुक्त लोकप्रियता अर्जित की। यह एक विशिष्ट प्रकार का प्रयोग था।

यज्ञ से १५ दिन पूर्व घर-घर मंगल कलश स्थापित किये गये। २४ चयनित परिवारों ने उनके समक्ष मंत्रजप, चालीसा पाठ का अनुष्ठान करते हुए नित्य मुट्ठी अन्न एकत्रित किया। ये २४ परिवार शासकीय सेवाओं से जुड़े क्लास-२ के कर्मी हैं, जिन्होंने छुट्टियाँ लेकर यज्ञ स्थल के समतलीकरण, फैंसिंग के लिए गड्ढे खोदने, लिपाई आदि के लिए श्रमदान किया। प्रतिदिन पहली पारी में इन २४ दम्पतियों ने देवपूजन किया। सभी के घर विद्या विस्तार सेटों की स्थापना हुई। सभी ने स्मृति वृक्ष लगाने के संकल्प लिए। गायत्री परिवार की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने और शांतिकुंज आकर एक नौ दिवसीय सत्र करने का संकल्प भी लिया।

सुभाष नगर कॉलोनी के यज्ञ में ५१ घरों में विद्या विस्तार सेटों की स्थापना हुई, व्यय से पाँच गुनी धनराशि एकत्रित हुई। सांसद एवं स्वतंत्रता सेनानी श्री लक्ष्मीनारायण नायक, पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती के भाई श्री स्वामी प्रसाद, नगर पालिका अध्यक्ष, न्यायाधीश, न्यायिक मजिस्ट्रेट आदि यज्ञ में शामिल हुए। यह शानदार सफलता उस सुभाष नगर कॉलोनी में मिली, जहाँ का एक भी व्यक्ति गायत्री परिवार से जुड़ा नहीं था। कॉलोनी का प्रत्येक नर-नारी इस शानदार सफलता से आश्चर्य चकित है। ☯

सम्मानित हुए ज्ञानयज्ञ के होता

लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

देश में ज्ञानयज्ञ का अद्वितीय आदर्श प्रस्तुत करने वाली महानगर लखनऊ की गायत्री ज्ञान मंदिर, इंदिरा नगर शाखा ने २० जनवरी को एक सम्मान समारोह आयोजित कर ज्ञान यज्ञ अभियान में शामिल ३०० प्रमुख परिजनों को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री जी पटनायक तथा शांतिकुंज प्रतिनिधि श्री केशरी कपिल जी ने उन्हें सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

समारोह में शांतिकुंज प्रतिनिधि श्री कपिल जी ने ज्ञानयज्ञ के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए ज्ञानयज्ञ को युग का श्रेष्ठतम यज्ञ बताया। प्रमुख सचिव श्री जी पटनायक ने अपने ४५ मिनट के उद्बोधन से कार्यकर्त्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि युगऋषि के विचारों को समाज में पहुँचाने के कार्य से जीवन सार्थक हो जाता है। गायत्री ज्ञान मंदिर के व्यवस्थापक एवं कार्यक्रम संयोजक श्री उमानंद शर्मा ने सम्मानित अतिथि एवं श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

अतिथियों के साथ सम्मानित विभूतियाँ, मंच संचालन करते श्री उमानंद शर्मा

गायत्री ज्ञान मंदिर का ज्ञानयज्ञ एक दृष्टि में

- मिशन की विभिन्न ३००० पत्रिकाओं का प्रतिमाह वितरण।
- बैकुण्ठ धाम (श्मशान घाट) उपकेन्द्र सहित नगर के चार उपकेन्द्रों के माध्यम से नित्य सैकड़ों लोगों को युग साहित्य उपलब्ध कराना।
- राजभवन, विधानसभा, सचिवालय, शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान मीडिया, धार्मिक प्रतिष्ठान आदि के महत्त्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के १२२ पुस्तकालयों में वाङ्मय साहित्य सेट की स्थापना।
- वर्ष २००७ में ३००० घर-कार्यालयों में अमृतवाणी कलेण्डर की स्थापना।
- विशिष्ट अभियान के अंतर्गत ५० हजार गायत्री विशेषांक एवं ५० हजार मंत्र लेखन पुस्तिकाओं को घर-घर पहुँचाना।
- वर्ष २००७ में पहली बार १० दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन एवं १० दिवसीय राष्ट्रीय पुस्तक मेले में भागीदारी कर ६ लाख रुपये का साहित्य विक्रय।
- यज्ञ-संस्कार आदि में ज्ञानप्रसाद का अनिवार्य रूप से वितरण।

विद्यालयों में विद्या विस्तार

करनाल (हरियाणा)

गायत्री परिवार की करनाल शाखा ने अपनी विद्या विस्तार यज्ञ शृंखला में विद्यालयों पर विशेष ध्यान दिया। प्रथम कार्यक्रम जवाहर नवोदय विद्यालय ग्राम सग्गा में ६ जनवरी को आयोजित था, जिसमें ४०० विद्यार्थी एवं उनके शिक्षकों ने बड़ी श्रद्धा के साथ भाग लिया। विद्यालय के सभी शिक्षकों ने पूज्य गुरुदेव के विचारों से प्रभावित होकर दीक्षा ली। ग्रामवासी भी यज्ञ में शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन सर्वश्री लखनलाल, हंसराज चावला, डॉ. बलवीर हांग, तिलकराज और सुंदरलाल की टोली ने किया ।

अगला कार्यक्रम मकर सक्रांति पर हरियाणा मॉडर्न सी.से. स्कूल बड़ागाँव में आयोजित था। इसमें प्राचार्य द्वारा मंगल तिलक लगाते हुए १२ बच्चों के जन्म दिवस मनाये गये। उन्होंने अपने विद्यालय में प्रतिमाह जन्म दिवस मनाये जाने की घोषणा की। ७ दम्पतियों ने दीक्षा ली।

स्वच्छता वर्ष २००८ के परिप्रेक्ष्य में राज.सी.से. स्कूल खेड़ीनरू में तीसरा पंच कुण्डीय यज्ञ सम्पन्न हुआ। बच्चों को स्वच्छता तथा भा.सं.ज्ञा. परीक्षा की प्रेरणा दी गयी। ☯

शत्रु की घात विफल हो सकती है, किन्तु आस्तीन के साँप बने मित्र और दुर्गुणों की घात कभी विफल नहीं होती।